एक नजर में

प्रदेश में मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

भोपाल. सचिव राज्य निर्वाचन आयुक्त अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है. पुनरीक्षण 1 जनवरी 2025 की संदर्भ तारीख के आधार पर किया जाएगा. जिन नगरीय निकायों की मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य उप निर्वाचन वर्ष 2025 पूर्वार्ध के लिये किया जा चुका है, उनके लिये यह लागू नहीं होगा. फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 13 नवम्बर को होगा. रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति तथा जिला स्तरीय प्रशिक्षण 25 अगस्त तक किया जाएगा.

फर्जी डॉक्टर के इलाज से युवक की मौत

इंदौर. द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में पटेल मेडिकल एंड क्लिनिक संचालक प्रदीप पटेल द्वारा एलोपैथी पद्धति से इलाज किए जाने पर एक युवक की मौत हो गई. स्वास्थ्य विभाग की जांच में प्रदीप को अयोग्य पाया गया, जिसके बाद उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया गया है. मृतक की पत्नी आरती पलवार ने शिकायत में बताया कि 21 मई 2024 को वह अपने पति श्याम पलवार का इलाज कराने प्रदीप पटेल के क्लिनिक पहुंचीं. प्रदीप ने स्टाफ से ग्लूकोज और कुछ इंजेक्शन लगाए, जिससे श्याम की तबीयत बिगड़ गई. प्रदीप ने उन्हें घर ले जाने की सलाह दी. घर पहुंचने पर श्याम बेसुध होकर गिर पड़े और मुंह से खून आने लगा.

पुलिस की कार्रवाई, 7.434 किलो अवैध गांजा जब्त

आगर मालवा. पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 7.434 किलो गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 4.46 लाख रुपये बताई गई है. पुलिस ने इस मामले में आरोपी बालू सिंह निवासी ऊपर का खेड़ा, गंगापुर, बड़ौद को गिरफ्तार किया है. उसके पास से गांजा के साथ मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और कुल 5.21 लाख रुपये का माल बरामद किया गया. कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह के निर्देश पर, एएसपी रविंद्र कुमार बोयट, एसडीओपी मोती लाल कुशवाहा के मार्गदर्शन में की गई. थाना प्रभारी शशि उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सूचना पर घेराबंदी कर संदिग्ध को रोका.

3 लाख आदि कर्मयोगियों का परिवार हो रहा तैयार

- जनजातीय परिवारों को सशक्त करने की पहल
- प्रत्येक परिवार को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करेंगे

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 22 अगस्त. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में जनजातीय परिवारों को सशक्त बनाने और प्रत्येक परिवार को योजनाओं का लाभ देने के लिए तीन लाख आदि कर्मयोगियों का समर्पित संवर्ग तैयार किया जा रहा है.

इससे 41 जिलों के 11 हजार 294 जनजातीय बहुल गांवों में रह रहे परिवारों को लाभ होगा.

इसका उद्देश्य जनजातीय कल्याण के लिए उत्तरदायी, पारदर्शी और जवाबदेह शासन को बढ़ावा देना है. यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि विकसित भारत के निर्माण में जनजातीय परिवारों की समान भागीदारी हो. मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार आदि कर्मयोगी अभियान में शासकीय अधिकारी आदि कर्मयोगी के रूप में, युवा नेता, शिक्षक, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनजातीय कार्यों में रूचि रखने वाले प्रतिबद्ध लोग आदि सहयोगी के रूप में और स्व-सहायता समूह, जनजातीय नेता, स्वयंसेवक, सांस्कृतिक कार्यकर्ता, गांव के निवासी आदि साथी के रूप में जुड़ सकते हैं. धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदि कर्मयोगी अभियान में मध्यप्रदेश में विशेषज्ञ संस्था भारत ग्रामीण आजीविका फाउंडेशन - बी.आर.एल.एफ द्वारा आदि कर्मयोगियों को राज्य, जिला, विकासखंड और ग्राम स्तरीय प्रशिक्षण देकर मास्टर ट्रेनर तैयार किये जा रहे हैं.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया था. केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री मोदी के मिशन अनुरूप आदि कर्मयोगी अभियान प्रारंभ किया गया है. आदि कर्मयोगी एक राष्ट्रीय मिशन है. इसमें जमीनी स्तर पर शासन-प्रशासन तंत्र तथा सेवाओं को जनजातीय परिवारों के हित में मजबूत बनाया जायेगा. इस अभियान से देश में 20 लाख जिला अधिकारियों एवं अन्य हितधारकों का एक कैडर विकसित हो रहा है. इसमें मप्र के तीन लाख आदि कर्मयोगी शामिल हैं.

आदि कर्मयोगी अभियान में स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, ग्रामीण विकास, वन, पंचायती राज विभाग और जल जीवन मिशन शामिल हैं. यह अभियान केन्द्र से लेकर विकासखंड स्तर तक जनजातीय विकास के संपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और सार्वजनिक संस्थानों में विश्वास बढ़ाने का कार्य करेगा.

प्रशिक्षण का दूसरा सत्र आज से होगा शुरू

स्टेट प्रोसेस लैब प्रशिक्षण का चार दिवसीय दूसरा सत्र 23 अगस्त से भोपाल सहित 24 जिलों में शुरू हो रहा है. प्रथम चरण के 17 जिलों में एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम हुआ. राज्य स्तरीय प्रोसेस लैब प्रशिक्षण के प्रथम चरण में 11 से 14 अगस्त को भोपाल में दो स्थानों पर 17 जिलों के 136 डिस्ट्रिक्ट मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया. डिस्ट्रिक्ट प्रोसेस लैब 20 से 22 अगस्त तक चली.

सरपंच पति पर धक्का-मुक्की का आरोप

- ग्राम सभा में हंगामा, शिकायत पहुंची एसडीएम कार्यालय

डिण्डौरी, नवभारत, 22 अगस्त. शहपुरा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत कछारी में पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. ग्रामीणों ने पंचायत सचिव व सरपंच पर वित्तीय जानकारी छुपाने और ग्राम सभा की बैठक नहीं करने का आरोप लगाया है. ग्रामीणों का कहना है कि जब उन्होंने पंचायत में आयी राशि व योजनाओं की जानकारी मांगी, तो ग्राम सभा के दौरान सरपंच पति एवं सरपंच के चाचा द्वारा उनके साथ धक्का-मुक्की की गई. इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है. ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में पारदर्शिता पूरी तरह नदारद है.

केंद्रीय मंत्री पुरी से मिले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी से उनके निवास स्थान पर सौजन्य भेंट कर केंद्रीय मंत्री को वैदिक घड़ी भेंट की. इस दौरान मंत्रालय से जुड़े लंबित मुद्दों पर चर्चा की.

किशोरों के कल्याण को बढ़ावा देंगे एमओयू

श्रम विभाग और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के बीच बनी सहमति

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 22 अगस्त. श्रमिकों के कल्याण, शिक्षा और सामाजिक सहभागिता को बढ़ाने की दिशा में प्रदेश श्रम विभाग और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर शुक्रवार को मंत्रालय में हस्ताक्षर किए गए.

इस अवसर पर सचिव श्रम विभाग रघुराज राजेंद्रन, यूएनएफपीए भूटान प्रतिनिधि एंड्रिया एम. वोज्नार आदि उपस्थित थी. इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य किशोरों और युवाओं के कल्याण को बढ़ावा देने और उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन कौशल में सुधार करने के लिए सहयोग करना है. समझौता ज्ञापन के अनुसार दोनों पक्ष किशोरों और युवाओं के कल्याण को सुदृढ़ करने के अवसरों की पहचान करने के लिए श्रम विभाग के तहत मौजूदा संचालित श्रमोदय विद्यालय और आईटीआई सहित अन्य कार्यक्रमों और योजनाओं का संयुक्त रूप से मानचित्रण और मूल्यांकन करने पर सहमत हैं. निष्कर्षों के आधार पर, यूएनएफपीए सबसे कमजोर आबादी तक पहुंचने के उद्देश्य से एक व्यापक, साक्ष्य-आधारित प्रस्ताव विकसित करने में विभाग का समर्थन करेगा.

इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष और मध्य प्रदेश सरकार का श्रम विभाग किशोरों और युवाओं के कल्याण को बढ़ावा देने और उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन कौशल में सुधार करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. दोनों पक्षों ने इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से किशोरों और युवाओं के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है.

समझौता ज्ञापन के प्रमुख बिंदु

- किशोरों और युवाओं के लिए स्वास्थ्य और कल्याण शिक्षा सत्र आयोजित करने के लिए क्षमता निर्माण करना.
- स्कूलों में सामाजिक स्वास्थ्य क्लब लागू करना और इसे सह-संस्थागत बनाना.
- किशोरों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों की मदद लेना.
- मानसिक स्वास्थ्य और मनो-सामाजिक सहायता प्रणालियों को बढ़ाने के लिए समर्थन.

विश्वविद्यालयों में 74 प्रतिशत पद खाली

61 स्वीकृत पदों में से 33 खाली

2025 में दोबारा प्रक्रिया प्रारंभ होना थी, लेकिन टल रही

भोपाल,22 अगस्त. प्रदेश के सरकारी विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों के 74 प्रतिशत पद रिक्त पड़े हैं.

प्रदेश के 5 विश्वविद्यालयों में एक भी सहायक प्राध्यापक पदस्थ नहीं है. राजधानी के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में 61 स्वीकृत पदों में से 33 खाली हैं, जबकि भोज मुक्त विश्वविद्यालय में 34 पदों में से 30 रिक्त पड़े हैं. इसी तरह विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में 85 में से 56 पद खाली हैं.

राज्य के 17 परंपरागत विश्वविद्यालयों में कुल 1,069 सहायक प्राध्यापक पद हैं, जिनमें से 793 पद खाली पड़े हैं. वर्ष 2022 में बीयू द्वारा भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी, परंतु तकनीकी कारणों से यह स्थगित कर दी गई. अब दावा किया जा रहा है कि वर्ष 2025 में दोबारा प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी. कभी आरक्षण तो कभी तकनीकी कारण बताकर भर्ती टलती रही है, जिसके चलते गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर असर पड़ रहा है.

पटवारी ने साधा सरकार पर निशाना

इस मसले पर पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री जीतू पटवारी ने सरकार को घेरा है. उन्होंने ट्वीट कर तंज कसा क्या अब शिक्षित व प्रतिभाशाली बेरोजगार भी 50 प्रतिशत कमीशन दें? आप तब रिक्त पदों की पूर्ति करेंगे? और यदि ऐसा ही है, तो अगली कैबिनेट में इस ऑफर को भी ओपन कर दें! पटवारी के इस बयान ने प्रदेश की राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है.

चंदन नगर में सड़कों के नाम बदलकर लगे बोर्ड

इंदौर. चंदन नगर क्षेत्र की कुछ गलियों के नाम बदलकर लगाए गए बोर्ड का मामला गरमा गया है. हिंदू संगठन, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय और भाजपा नेताओं ने इसका विरोध जताया. संगठनों ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव से शिकायत की कि हिंदू पहचान वाली सड़कों पर मुस्लिम नामों वाले बोर्ड लगा दिए गए हैं. मामले में आरोप है कि कांग्रेस पार्षद फातेमा रफीक खान ने महापौर परिषद की अनुमति लिए बिना ही सड़कों के नाम बदल दिए और नए बोर्ड लगवा दिए. चंदू वाला रोड को गौसिया रोड, लोहा गेट को रजा गेट, मिश्रा रोड को ख्वाजा रोड और आम वाला रोड को हुसैन रोड बताने वाले बोर्ड रातोंरात लगा दिए गए.

29 अगस्त को बनेंगी स्कूलों में समितियां

भोपाल,22 अगस्त. मध्यप्रदेश के सभी शासकीय और अनुदान प्राप्त प्राथमिक, माध्यमिक तथा कक्षा 1 से 8 तक की संयुक्त शालाओं में 29 अगस्त को शाला प्रबंधन समितियों का गठन होगा.

इसके लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों के कलेक्टरों को आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश जारी किए हैं. शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत गठित होने वाली इन समितियों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा. इनकी जिम्मेदारी बच्चों के नामांकन, नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्कूल की सुविधाओं और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी होगी.

हर समिति में 14 पालक प्रतिनिधि, प्रधान शिक्षक, वरिष्ठ महिला शिक्षिका और स्थानीय जनप्रतिनिधि सदस्य होंगे. अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चयन पालक प्रतिनिधियों में से किया जाएगा, जबकि प्रधान शिक्षक समिति के सदस्य सचिव होंगे. प्रदेश के लगभग 83 हजार स्कूलों में यह गठन एक ही दिन संपन्न होगा. स्कूल शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों के अभिभावकों से अपील की है कि वे 29 अगस्त को विद्यालय पहुँचकर समितियों से सक्रिय रूप से जुड़ें और शालाओं के विकास कार्यों में सहभागी बनें.

प्रेमियों की याद में आज पांढुरना में होगी पत्थरों की बरसात

पांढुरना, 22 अगस्त. पांढुरना नगर में सदियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार कृष्ण पक्ष की अमावस्या के दिन यानी महाराष्ट्रीयन कृषकों के पोला त्योहार के दूसरे दिन विश्व प्रसिद्ध गोटमार मेला आयोजित होता है.

इस अद्भुत मेले का कोई अधिकृत इतिहास उपलब्ध नहीं है, लेकिन लोकमान्यता है कि इसमें हजारों लोग सूर्योदय से सूर्यास्त तक एक-दूसरे पर पत्थरों की बौछार करते हैं. मराठी भाषा में गोटमार का अर्थ होता है पत्थर मारना. इस मेले में पत्थरों से हमला कर लोग बड़ी शान से एक-दूसरे का लहू बहाते हैं. इस दौरान प्रतिवर्ष अनगिनत लोग घायल हो जाते हैं और कई अपनी जान भी गंवा बैठते हैं. इसके बावजूद जगत जननी मां चंडिका के भक्त हर साल परंपरागत ढंग से इस मेले का आयोजन करते हैं.

प्रेम कथा से जुड़ी मान्यता

किवदंती है कि प्राचीन काल में पांढुरना का एक युवक सावरगांव की युवती से प्रेम करने लगा. विवाह के लिए कन्या पक्ष की अनिच्छा के कारण युवक ने भाद्रपद अमावस्या को युवती को भगाकर पांढुरना लाने का प्रयास किया. रास्ते में जाम नदी पार करते समय सावरगांव के लोगों ने उस पर पत्थरों की बरसात कर दी.

प्रदेशभर में सामान्य से 6 इंच बारिश अधिक

श्योपुर, नीमच और मंदसौर में भारी बारिश, कई निचले इलाकों में जलभराव

भोपाल,22 अगस्त. प्रदेश में मानसून के तीन सिस्टम सक्रिय रहने से लगातार तेज बारिश हो रही है. शनिवार को श्योपुर, नीमच और मंदसौर जिलों में अति भारी वर्षा दर्ज की गई.

कई स्थानों पर सड़कें और खेत पानी में डूब गए. वहीं ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, राजगढ़, रतलाम, अनूपपुर, डिंडौरी और मंडला सहित 16 जिलों में यलो अलर्ट प्रभावी है. मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटे तक कई जिलों में भारी बारिश का दौर जारी रहेगा. तेज वर्षा के चलते नर्मदापुरम स्थित तवा डैम के सात गेट शनिवार को भी खुले रहे. नदियों और नालों में पानी का बहाव बढ़ने से निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है. रतलाम में केदारेश्वर महादेव मंदिर परिसर में पानी भर गया. डिंडौरी और शिवपुरी में लगातार हो रही बारिश से ग्रामीण इलाकों का संपर्क भी प्रभावित हुआ है. राहत व बचाव दलों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं.

औसत से अधिक बारिश, मौसम विभाग ने दी चेतावनी

प्रदेश में अब तक औसतन 33.1 इंच बारिश दर्ज हो चुकी है, जबकि सामान्य वर्षा 27 इंच मानी जाती है. यानी, इस सीजन में अब तक 6.1 इंच अतिरिक्त पानी गिर चुका है. मौसम विभाग की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अगले तीन दिन तक तेज बारिश का क्रम बना रहेगा. विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदियों-नालों के पास अनावश्यक आवाजाही से बचें और मौसम अलर्ट का पालन करें.

अल्पसंख्यक संस्थाओं को भाजपा बना रही निशाना

संवाददाता द्वारा

भोपाल, 22 अगस्त. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी डॉ. मुकेश नायक ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सुनियोजित तरीके से अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा संचालित संस्थानों और संगठनों को निशाना बना रही है.

उन्होंने कहा कि झूठे आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज की जा रही हैं और इन संस्थाओं की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है. डॉ. नायक ने कहा कि भाजपा समाज को बांटने का काम कर रही है और लोकतांत्रिक मूल्यों की खुली अवहेलना कर रही है. उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि कांग्रेस शासनकाल में मंत्री रहते हुए उन्होंने कांग्रेस नेता आरिफ मसूद को कॉलेज की अनुमति दी थी, जहां आज भी 300 से अधिक गरीब छात्र नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि उस समय भवन, भूमि और एफडी से संबंधित नियमों में शिथिलता देकर अधिक से अधिक समाजों को संस्थान खोलने हेतु प्रोत्साहित किया गया ताकि बच्चों को प्रवेश के समय अधिक विकल्प मिल सकें.

डॉ. नायक ने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है

300 से अधिक गरीब छात्र नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे

कई महत्वपूर्ण सरकारी अभिलेख गायब हो गए

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद कई महत्वपूर्ण सरकारी अभिलेख गायब हो गए. जब भाजपा आरिफ मसूद को जनता की अदालत में पराजित नहीं कर पाई, तो अब उनके खिलाफ साजिश रचकर छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है.

उन्होंने दमोह कोरोना अस्पताल का उदाहरण दिया, जिसने महामारी के दौरान गरीबों का मुफ्त इलाज किया. इसी तरह जलिल बडे परिवार के गंगा-जमुना अस्पताल व उनके स्कूल और व्यवसायों को झूठे मामलों में फंसाकर बंद करा दिया गया. उन्होंने 74 वर्षीय रजक खान का भी जिक्र किया, जो अनाथ बच्चों की परवरिश करते थे. अदालत से जमानत मिलने के बावजूद उन पर नए केस दर्ज कर दिए गए और वे अब भी जेल में हैं. डॉ. नायक ने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है.

दिल खोल कर मदद गिर्राज ने अपनी जान जोखिम में डालकर रातभर ट्रैक्टर-ट्रॉली से ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया था

बाढ़ पीड़ितों की मदद करने वाले को सिंधिया ने दिया नया ट्रैक्टर

शिवपुरी, 22 अगस्त. जिले के कोलारस विधानसभा क्षेत्र के लिलवारा गांव के साहसी युवक गिर्राज प्रजापति को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को नया ट्रैक्टर भेंट किया.

29 जुलाई को सिंध नदी में आई बाढ़ से लिलवारा गांव पूरी तरह पानी में घिर गया था. उस दौरान गिर्राज प्रजापति ने साहस दिखाते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर रातभर ट्रैक्टर-ट्रॉली से ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया. मदद करते-करते उसका ट्रैक्टर खराब हो गया, जिससे परिवार पर संकट खड़ा हो गया. बीती रात मुआवजा वितरण कार्यक्रम में सिंधिया पहुंचे तो गिर्राज की मां कृष्णा प्रजापति ने मंच से मदद की गुहार लगाई. ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने भी गिर्राज के साहस और ट्रैक्टर खराब होने की जानकारी दी. तभी सिंधिया ने मंच से गिर्राज को बुलाकर सराहना की और कहा अब गिर्राज सिर्फ आपका बेटा नहीं, यह मेरा बेटा भी है. उन्होंने घोषणा की कि सुबह तक गिर्राज को नया ट्रैक्टर उपलब्ध करा दिया जाएगा.

गांव में गूंजी तालियों की गड़गड़ाहट, शुक्रवार को सिंधिया फिर लिलवारा पहुंचे. यहां पहले से नया ट्रैक्टर तैयार खड़ा था.

सिंधिया खुद ट्रैक्टर चलाकर सभा स्थल तक आए और गिर्राज को ट्रैक्टर की चाबी सौंपी. इस दृश्य पर तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी और ग्रामीणों ने सिंधिया के इस कदम का स्वागत किया. गिर्राज की मां कृष्णा प्रजापति ने मंच से आभार जताते हुए कहा बेटे ने गांव को बचाने के लिए अपनी जान दांव पर लगाई थी, उसका ट्रैक्टर खराब हो गया था. आज सिंधिया ने नया ट्रैक्टर देकर हमारी बड़ी चिंता दूर कर दी.

सिंधिया ने ट्रैक्टर पर युवक के साथ बैठकर फोटो एक्स पर साझा की. उन्होंने लिखा आपदा की घड़ी में साहस का जीवंत उदाहरण है मेरे शिवपुरी के लिलवारा गांव का यह मेरा नौजवान बेटा गिर्राज. बाढ़ में अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की मदद करने वाले इस जांबाज बेटे के लिए दुनिया की हर भेंट छोटी है. उसके पराक्रम और हुए नुकसान की भरपाई के लिए 12 घंटों के भीतर ट्रैक्टर भेंट किया. गिर्राज जैसे निस्वार्थ कर्मवीर ही मेरे जनसेवा पथ के प्रेरणास्रोत हैं.